

प्रेषक

डॉ हेमलता ठोड़ियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक: ०४ जुलाई, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के आयोजनागत पक्ष की धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महादय

उपरोक्त विषयक उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून के पत्र संख्या: 486/लेखा०/बजट/2009-10, दिनांक 29 जून, 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदानान्तर्गत आयोजनागत पक्ष की निम्नसिद्धित मानक मदों में कुल रूपये 71,00,000/- (रु० इकहत्तर लाख मात्र) की धनराशि को यथा हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।-

क्र०सं०	मद संख्या	स्वीकृत की जा रही धनराशि (रु० हजार में)
1.	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	1200
2.	15-गाड़ियों का ऊनुक्कण और पेट्रोल आदि की खरीद	267
3.	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संपर्क	3333
4.	42-अन्य व्यय	1133
5.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/सफ्टवेयर का क्रय	1167
	कुल घोग	7100

2- व्यय में मितव्ययता निर्णायक है। इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आपटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनेजमेंट/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता है। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की नई धनराशि का मात्रिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

3- धनराशि व्यय करने से पूर्ण यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि गतवर्ष स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2010 तक कर लिया जायेगा। धनराशि का उपयोग प्रमाण पत्र, वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण यथासमय शासन को उपलब्ध करा दिया जाय। यदि उल्लंघन तक कोई भी धनराशि अवरोध रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5— वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बैंगड़ो-8 के प्रथम पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की २ तारीख तक उक्त अनुदान के नियन्त्रक अधिकारी को बजट मैनेजर की अध्याय-13 के प्रत्यार-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियन्त्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तराधारी अधिकारी के पिलट अनुशासनात्मक (मा० मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम रार को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवृत्ति धनराशि के थाय का नियन्त्रण करेंगे।

6— कार्यालय फर्मांचर एवं भरीन और सज्जा/उपकरण एवं संघर्ष आदि के क्षय में प्रधालित ड्राइवरमेन्ट नियम-2008 तथा अन्य तदविधयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

7— स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष कम्प्यूटर आदि का क्रय आई०टी०/एन०आई०सी० के दिशा-निर्देशानुसार एवं समय-समय पर निर्गत शासनादेशों के अधीन किया जायेगा।

8— उक्त व्यय चालू पिल्लीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2853-अलीड खनन तथा धाराकर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, आयोजनागत, 001-निर्देशन तथा प्रशासन (लघु शीर्षक, 003 के रथान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00 के अन्तर्गत संलग्नयों में इगमित सुसंगत प्राथमिक मदों के नामे डाला जायेगा।

9— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 207/XXVII(2)/2008, दिनांक 06 जुलाई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

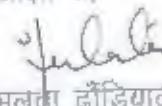
भवदीया

(डा० हेमलता ढौड़ियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या १५५८(१)/VII-२-०९/५१-ख/२००६, तददिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/हल्द्वानी।
3. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
7. उप निदेशक, भूलक्ष एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(डा० हेमलता ढौड़ियाल)
अपर सचिव।